शेरों का दल राजस्थान गीत लिरिक्स

शेरों का दल राजस्थान,

दोहा – जननी जने तो ऐडा जण,
के दाता के सुर,
नई तर रइजे बांजडी,
माँ मती गमाजे नूर।

इधर पद्मिनी दर्पण देखें,
उधर वो खिलजी जी मूर्छित हो,
जहां हुमायूं लाज बचाने,
बहना की आकर्षित हो,
चंदन का बलिदान जहां पर,
कर देती माताएं हो,
इस माटी का कण कण गाता,
जोहर की गाथाएं हो,
गोरा बादल राजस्थान,
शेरों का दल राजस्थान,
चौड़ी छाती राजस्थान,
सबसे न्यारा राजस्थान।bd।

महाराणा को देख स्वप्न में,
अकबर भी डर जाता हो,
स्वामी भक्त चेतक प्राणों को,
न्यौछावर कर जाता हो,
भक्त मई मीरा भजनों में,
प्रेम सुधा भर देती हो,
हाड़ी रानी जहां निशानी,
शीश काट कर देती हो,
वीर सलंबर राजस्थान,
चौड़ी छाती राजस्थान,
हल्दीघाटी राजस्थान,
सबसे न्यारा राजस्थान।bd।

आन बान और मर्यादा की,
पानीदार कहानी है,
प्राण जाए पर वचन न जाए,
राजस्थानी परम्परा है

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

पति की अर्थी को कंधा,
क्षत्राणी ही दे सकती है,
परमाणु विस्फोट यहां की,
धरती ही सह सकती है,
बोला कण-कण राजस्थान,
थारा मारा राजस्थान,
वीर सलंबर राजस्थान,
चौड़ी छाती राजस्थान।bd।

गायक / प्रेषक – देव शर्मा आमा।
8290376657

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com